भीषण गर्मी में बिजली कटौती की समस्या से परेशान ग्रामीणों का प्रदर्शन

सहायक अभियंता कार्यालय पर महिलाओं ने हंगामा किया, पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई

नारायणपुर, (निसं)। भीषण गर्मी में बीच बिजली आपूर्ति बाधित होने से कस्बे के बास बैरिसाल मोहल्ले के पुरुषों और महिलाओं का सोमवार को गुस्सा फूट पड़ा। बिजली की बार-बार कटौती और कम वोल्टेज की समस्या से परेशान ग्रामीण व महिलाएं सोमवार सुबह सहायक अभियंता कार्यालय पहुंची और बिजली विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

नारायणपुर कस्बे के बास बैरिसाल मोहल्ले के पुरुषों और महिलाओं ने सहायक अभियंता कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

- रविवार शाम से ही बिजली की आपूर्ति गड़बड़ा रही है, घरों में कम वोल्टेज से उपकरण बंद पड़े हैं

प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने बताया कि रविवार शाम से ही बिजली की आपूर्ति लगातार गड़बड़ा रही है। घरों में कम वोल्टेज के कारण पंखे, कूलर, फ्रिज जैसे जरूरी उपकरण बंद पड़े हैं। इस भीषण गर्मी में छोटे बच्चों की हालत सबसे ज्यादा खराब हो रही है। लोगों को रात भर बिना पंखे के सोना पड़ा, जिससे उनका गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बिजली आपूर्ति दुरुस्त नहीं की गई तो वे बिजली ग्रिड पर धरना देने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि लगातार शिकायतों के बावजूद विभाग की ओर से कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रांसफार्मर खराब होने का असर पूरे क्षेत्र में देखने को मिला। सोमवार को बानसूर रोड, गुवारियों का मोहल्ला, मुख्य बस स्टैंड की पेयजल आपूर्ति भी बाधित रही। पानी नहीं मिलने से इन इलाकों के लोग काफी परेशान नजर आए और विभाग के प्रति नाराज़गी जताई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि गर्मी के मौसम में बिजली और पानी जैसी आवश्यक सेवाओं में लापरवाही किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ग्रामीणों ने मांग की है कि खराब ट्रांसफार्मर को तुरंत बदला जाए और नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इस मौके पर युवा नेता राकेश दायमा, अविनाश सेठी, पप्पू सक्सेना, गोविंद छिपी, सत्यनारायण सेठी, पूजा जांगिड़, पूजा खंडेलवाल, विद्या जांगिड़, कृष्णा देवी, पिस्ता जांगिड़, मोहित शर्मा, वेदराज छिपी, गोविंद सिंह, रामधन शर्मा, विकास प्रजापत, सुनील यादव, अशोक बागड़ी, प्रवीण धोबी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

बिजली निगम के सहायक अभियंता नितिन गुप्ता ने बताया कि बिजली संकट ट्रांसफार्मर जलने के कारण उत्पन्न हुआ है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभाग की ओर से कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और जल्द ही बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

हाईकोर्ट ने बैंक अधिकारी पर 50 हजार का जुर्माना लगाया

जोधपुर, (कासं)। न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करते हुए एक ही अनुतोष पर राजस्थान ग्रामीण बैंक के खिलाफ बार-बार रिट याचिका दायर किए जाने पर राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायाधीश रेखा बोराणा ने बैंक अधिकारी हरीश शर्मा पर 50 हजार रुपए जुर्माना लगाते हुए रिट याचिका सारहीन मानते हुए खारिज कर दी और प्रार्थी को आदेश दिया कि जुर्माना राशि वादकरण कल्याण कोष में जमा करा कर रसीद पेश करें।

- बार-बार रिट याचिका दायर करने पर आदेश दिया

बैंक अधिकारी श्रेणी द्वितीय पद पर कार्यरत शर्मा ने रिट याचिका दायर कर कहा कि बैंक की ओर से जारी आरोप पत्र 19 अक्टूबर 2023 को रद्द कर बैंक अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। राजस्थान ग्रामीण बैंक की ओर से बहस करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता आर एन माथुर और अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि प्रार्थी न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करने का आदी हो चुका है और न्यायालय की खंडपीठ और एकलपीठ ने आदेशों में इसका जिक्र किया है, लेकिन शर्मा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि इसी आरोप पत्र पर बेतुके और आधारहीन तथ्यों पर 6 याचिकाएं दायर की जा चुकी है सो इस याचिका को हर्जाने के साथ खारिज की जाए। अधिवक्ता आर एन माथुर और अधिवक्ता अनिल भंडारी के तर्कों से सहमत होते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय की न्यायाधीश रेखा बोराणा ने 50 हजार रुपए जुर्माने के साथ रिट याचिका खारिज कर दी।

उन्होंने कहा कि बैंक की प्रारंभिक आपत्ति पर प्रार्थी को रिट याचिका वापिस लेने का अवसर दिया था, जिसे उसने नकार दिया। उन्होंने कहा कि याची ने इस न्यायालय में एक के बाद एक छह से अधिक रिट याचिका और अपील इसी आरोप पत्र के बाबत दायर की और पूर्व आदेशों में उसे बैंक के अनुशासनात्मक अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्तियां 15 दिवस में दर्ज कराने का अवसर दिया, लेकिन प्रार्थी न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करने का आदी हो चुका है और बैंक के समक्ष आपत्तियां दर्ज नहीं कर फिर से एक और रिट याचिका दायर करने का दुस्साहस किया। उन्होंने कहा कि किसी भी याची को न्याय का दुरुपयोग करने की छूट नहीं दी जा सकती है। उन्होंने बेतुकी रिट याचिका करने पर प्रार्थी को आदेश दिया कि 30 दिन में जुर्माना राशि वादकरण कल्याण कोष में जमा करा न्यायालय में रसीद पेश करें। उल्लेखनीय है कि हरीश शर्मा ने राजस्थान ग्रामीण बैंक के खिलाफ पिछले सात माह में राजस्थान उच्च न्यायालय में 30 रिट याचिका दायर की, जिसमें से 25 याचिका खारिज हो चुकी है।

युवक का शव मिला

नदबई/भरतपुर, (निसं)। नदबई-हलैना रोड पर शनि मन्दिर के समीप रविवार देर शाम संदिग्ध स्थिति में युवक का शव मिलने के मामले में पुलिस ने शिनाख्त होने के बाद नदबई चिकित्सालय में युवक के शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस सूत्रों की माने तो नदबई क्षेत्र के गांव बुढ़वारी खुर्द निवासी रामेश्वर सिंह पुत्र मन्होरी सिंह विगत तीन दिन पहले अपने घर से लापता हो गया, जिसका रविवार देर शाम नदबई हलैना फाटक पर शनि मन्दिर के समीप संदिग्ध स्थिति में शव मिला। संदिग्ध स्थिति में युवक का शव मिलने की सूचना पर पुलिस ने मौके पर जांच करते हुए शव को चिकित्सालय के मुर्दाघर में रखवा दिया। बाद में सोमवार को शिनाख्त होने पर पुलिस ने युवक के शव का पोस्टमार्टम कराया। हालांकि, इस संदर्भ में पुलिस में मामला दर्ज नहीं हुआ।

भरतपुर में गैंगरेप के दो आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में मथुरा गेट थाना पुलिस ने एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने एवं गर्भपात का प्रयास के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चार आरोपियों ने चाकू का भय दिखाकर 14 साल की नाबालिग के साथ गैंगरेप किया था। जब नाबालिग गर्भवती हो गई तो आरोपी उसका जबरन अबॉर्शन करवाने के लिए ले गए। जब नाबालिग के परिजनों को पता लगा तो नाबालिग के पिता ने मथुरा गेट थाने में चारों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई।

- जब नाबालिग गर्भवती हो गई तो आरोपी उसका जबरन अबॉर्शन करवाने ले गए

सीओ सिटी पंकज यादव ने बताया कि 31 मई को एक व्यक्ति ने एफआईआर दर्ज करवाते हुए बताया था कि 31 मार्च 2025 को मेरी नाबालिग बेटी के साथ फारुख, सदाकत, समीर, अज्जू ने चाकू की नोक पर गैंगरेप किया, जिसके बाद व्यक्ति की नाबालिग बेटी गर्भवती हो गई। जब आरोपियों को इसका पता लगा तो सभी आरोपी नाबालिग का जबरन अबॉर्शन करवाने के लिए ले गए। एफआईआर दर्ज करने के बाद नाबालिग का मेडिकल करवाया गया। जिसके बाद आरोपियों की तलाश की गई। सदाकत और फारुख नाम के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

विवाहिता की मौत

आहोर, (निसं)। आहोर थाना क्षेत्र के चरली गांव में रविवार की रात एक विवाहिता द्वारा आत्महत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रेखा पत्नी प्रकाश मेघवाल निवासी चरली ने बीती रात अपने रहवासी मकान के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर आहोर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के शव को फंदे से उतारकर आहोर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतका के पिता उदयराज मेघवाल सहित आहोर मेघवाल समाज ने लोगों ने विरोध जताया। मृतका के पिता उदयराज मेघवाल का कहना है कि ससुराल पक्ष के लोग उसकी पुत्री को पिछले एक साल से प्रताड़ित कर रहे थे। सुबह आहोर मेघवाल समाज के काफी संख्या में लोग आहोर थाने पहुंचे और थानाधिकारी करणसिंह से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक अनिल पुरोहित, थानाधिकारी करणसिंह एमओबी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और गहनता से जांच की।

सीएम भजनलाल ने लाखावत के परिवार को ढांढस बंधाया

नागौर/मेड़ता सिटी, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को टहला (रियां बड़ी) पहुंचे, जहां उन्होंने राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लाखावत की धर्मपत्नी रतन कंवर के निधन पर शोक प्रकट किया तथा परिवार को ढांढस बंधाते हुए स्व. रतन कंवर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भगवान से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की कामना की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने हेलीकॉप्टर से जयपुर के लिए प्रस्थान किया।

नाबालिग से गैंगरेप

बीकानेर, (निसं)। यहां एक क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। आरोपी युवक पेट दर्द का बहाना बनाकर 15 वर्षीय किशोरी को दवाई दिलाने के नाम पर ले गया और अपनी बहन के घर में दो लोगों ने वारदात को अंजाम दिया। थानाधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़िता के भाई की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। पीड़िता और उसका भाई ईंट भट्टे पर काम करते हैं। आरोपी युवक, जो वहीं काम करता है, लड़की को साथ ले गया। वहां आरोपी के दो बहनोइयों ने गैंगरेप किया।

'युवाओं की अद्वितीय क्षमता के चलते वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है भारत'

जोधपुर, (कासं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), जोधपुर में लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत अपने युवाओं की अद्वितीय क्षमता के चलते वैश्विक नेतृत्व की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का युवा अब केवल रोजगार ढूंढने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बन चुका है, जो स्टार्टअप और नवाचार के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को गति दे रहा है।

- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया
- भारत का युवा अब केवल रोजगार ढूंढने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बन चुका है : ओम बिरला

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि भारत आधुनिक विज्ञान और अपनी समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा की शक्तियों को समाहित करते हुए वैश्विक मंच पर एक संतुलित, नैतिक और चिरस्थायी विकास मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने छात्रों और युवाओं से आग्रह किया कि वे विकसित भारत की यात्रा में सक्रिय भागीदार बनें और तकनीक एवं ज्ञान का उपयोग समाजोत्थान के लिए करें।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भा. प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत के तकनीकी संस्थान विशेषकर आईआईटी जैसे संस्थान देश के डिजिटल इकोसिस्टम और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आईआईटी से निकले युवाओं ने न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस अवसर पर बिरला ने आईआईटी जोधपुर की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्थान मरुस्थलीय क्षेत्र में परिवर्तन का वाहक बना है, जो युवाओं को वैश्विक गुणवत्ता की शिक्षा, शोध और नवाचार की सुविधा देकर उन्हें सशक्त बना रहा है। उन्होंने 'रिसर्च इनिशिएटिव ग्रांट' का वितरण भी किया, जिससे नवाचार संबंधी परियोजनाओं को प्रोत्साहन मिलेगा, साथ ही संस्थान की नई वेबसाइट का शुभारंभ किया और परिसर में पौधारोपण भी किया। बिरला ने जोर दिया कि देश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर नवाचार और उत्कृष्टता के केंद्र बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि कॉलेज और विश्वविद्यालयों को ऐसी सोच विकसित करनी चाहिए जिससे छात्रों में न केवल ज्ञान बल्कि समस्या सुलझाने की योग्यता, उद्यमशीलता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी हो। इससे पहले सुबह वायुयान द्वारा लोकसभा स्पीकर सोमवार को जोधपुर पहुंचे तो एयरपोर्ट पर भाजपा पदाधिकारी ने और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए आईआईटी संस्थान के लगातार विकसित होने पर बधाई दी और कहा कि विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए संस्थान की ओर से लगातार नवाचार किया जा रहे हैं।

सीवरेज के पानी में उगाई जा रही है सब्जियां

बीकानेर, (निसं)। यहां वल्लभ गार्डन एवं सुदर्शना नगर में खुले नाले व सीवर लाइन के गंदे पानी से सैकड़ों बीघा जमीन में सब्जियां, धनिया, पुदीना, हरी प्याज, पालक और पशुओं को खिलाने के लिए घास उगाई जा रही है। स्थानीय निवासी इसके खिलाफ प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी संदिग्ध है। स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो चुका है।

वल्लभ गार्डन में वर्षों से सीवरेज और गंदे पानी के नालों से पानी चोरी कर सुदर्शना नगर की विवादित जमीन पर इन सब्जियों को उगाया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार खुला सीवर पानी फलों और सब्जियों में गम्भीर बैक्टीरिया, पैरासाइट और हैवी मेटल्स का स्रोत बन सकता है। इस तरह की फसलें और सब्जियां साल्मोनेला और लीव मनेरिया जैसे रोग जनकों से संक्रमित हो सकती हैं। गंभीर संक्रमण, दस्त, पेट में ऐंठन, लीवर व किडनी की समस्याएं आम हैं। सब्जियां खाने वाले स्थानीय लोगों में पेट की शिकायतें बढ़ी हैं। पशुपालकों ने बताया कि उनके पशुओं पर भी इसका असर पड़ रहा है, क्योंकि गंदे पानी की घास पशुओं को खिलाई जा रही है। इस समस्या के लिए नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, पर्यावरण विभाग और जल आपूर्ति प्राधिकरण को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। बीकानेर के तत्कालीन कलेक्टर नमित मेहता के कार्यकाल में बुलडोजर चलाकर कार्रवाई हुई थी, लेकिन नए कार्यकाल में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्वास्थ्य विभाग (हेल्थ डिपार्टमेंट) द्वारा अब तक न तो सब्जियों के नमूने लिए गए हैं और न ही पशुओं को खिलाई जा रही घास के, यह स्थिति बेहद चिंताजनक है।

- सब्जियां खाने वाले स्थानीय लोगों में पेट की शिकायतें बढ़ी

छह दिन से रेवदर रोडवेज बुकिंग कार्यालय बंद

रेवदर, (निसं)। रेवदर उपखंड मुख्यालय रेवदर के एकमात्र बस स्टैंड की बुकिंग खिड़की पिछले छह दिन से बंद है। सरकारी बसों की कमी से यात्री और ग्रामीण परेशान हैं। सिरोही, आबूरोड और अन्य बड़े शहरों के लिए न टिकट मिल रहा है न बसें। मार्च-अप्रैल में 15 दिन तक बुकिंग कार्यालय बंद रहा था। तब लोगों के विरोध के बाद रोडवेज अधिकारियों ने खिड़की दोबारा शुरू की थी। शीघ्र समाधान नहीं होने पर ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। रेवदर और आसपास के गांवों में बड़ी संख्या में प्रवासी रहते हैं। ये लोग अहमदाबाद, सूरत, बड़ौदा, मुंबई, पुणे जैसे शहरों में काम करते हैं। त्योहारों पर इन्हें गांव आना-जाना होता है। बसें नहीं होने से इन्हें निजी वाहनों में महंगा किराया देकर सफर करना पड रहा है।

पूर्व विधायक भाजपा जगसीराम कोली ने कहा कि मैं रोडवेज अधिकारियों से बात करूंगा। बुकिंग खिड़की शुरू करवाने और बच्चों के लिए शेड्यूल बढ़ाने की मांग करूंगा।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष आनंद जोशी ने कहा कि मुझे जानकारी नहीं थी। आपने बताया तो पता चला। अब मैं आबूरोड डिपो का सब डिपो बना दिया गया। यहां से 15 बसें चलने लगी। 2013 में सब डिपो भी बंद कर दिया गया और केवल स्टॉपेज रह गया। अब सिर्फ 7-8 बसें ही चल रही हैं। इससे प्रवासी, महिलाएं, विद्यार्थी और बुजुर्ग परेशान हैं। निजी वाहनों में इन्हें रोडवेज की छूट नहीं मिलती। मजबूरी में दोगुना किराया देना पड रहा है।

रेवदर विधायक मोतीराम कोली ने कहा कि मैंने दो दिन पहले ही आबूरोड के चीफ मैनेजर से बात की है। जल्द बुकिंग कार्यालय शुरू करने को कहा है। नहीं हुआ तो बडा आंदोलन करेंगे। भाजपा की उदासीनता से बंद हुआ। विधानसभा में यह मुद्दा उठाऊंगा और डिपो शुरू करवाकर रहूंगा।

बिलाड़ा क्षेत्र के पारम्परिक जल स्त्रोत जैव विविधता के लिये स्वर्ग बने

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान सरकार की जल संरक्षण पर आधारित दूरदर्शी नीतियों और प्रशासन की सक्रियता ने बिलाड़ा क्षेत्र के पारंपरिक जल स्त्रोतों को न केवल संजीवनी दी है, बल्कि इन्हें जैव विविधता के स्वर्ग में बदल दिया है। रामासनी और ओलवी के तालाब, नीलकंठ महादेव सरोवर, कापरडा तालाब, चंदेलाओ तालाब और आसपास के खेत आज प्रवासी और स्थानीय पक्षियों के लिए एक सुरक्षित, समृद्ध और सुंदर आवास बन चुके हैं। हर साल सेंट्रल एशिया, मंगोलिया जैसे दूरस्थ देशों से हजारों किलोमीटर की यात्रा कर आने वाले 10 से 12 हजार पक्षी यहां शीत ऋतु बिताते हैं।

ईथोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया की संयुक्त सचिव प्रो. रेणु कोहली ने बताया कि क्षेत्र में 100 से अधिक प्रजातियों के पक्षी पंजीकृत हैं। इनमें नॉर्दर्न पिंटेल, स्पॉट-बिल्ड डक, कॉमन टील, ग्रे लग गूज, पैलिकन, शिकरा, मार्श हैरियर और दुर्लभ लाल कलगीदार पोचार्ड जैसी अनेक प्रजातियां शामिल हैं। ओलवी और रामासनी के तालाब पक्षियों को न केवल पानी बल्कि प्रचुर मात्रा में जलमग्न वनस्पति और कीट प्रदान करते हैं, जो इनके भोजन का मुख्य स्त्रोत हैं। यहाँ बारहेडेड गीज़, ग्रेलग गूज, नॉर्दर्न शॉवेलर जैसे जलपक्षियों की बड़ी संख्या देखने को मिलती है। ओलवी तालाब पर रफ का 1000 से अधिक पक्षियों का झुंड देखा गया है।

- रामासनी और ओलवी के तालाब, नीलकंठ महादेव सरोवर, कापरडा तालाब, चंदेलाओ तालाब और आसपास के खेत आज प्रवासी और स्थानीय पक्षियों के लिए एक सुरक्षित आवास बन चुके हैं
- हर साल सेंट्रल एशिया, मंगोलिया जैसे दूरस्थ देशों से हजारों किलोमीटर की यात्रा कर आने वाले 10 से 12 हजार पक्षी यहां शीत ऋतु बिताते हैं

स्थानीय प्रशासन द्वारा जलाशयों की सफाई, वर्षा जल संग्रहण की सतत व्यवस्था और अतिक्रमण रोकने के प्रयासों ने इन पारंपरिक जल स्त्रोतों की गुणवत्ता बनाए रखी है, जिससे इन पक्षियों को एक सुरक्षित वातावरण मिल सका है। सबसे आकर्षक पक्षी में से एक है नर सैंडग्राउज, जो अपने बच्चों के लिए पंखों में पानी भरकर 20 किलोमीटर तक उड़ता है।

प्रो. कोहली बताती हैं कि इसके शरीर के निचले पंख विशेष रचना के होते हैं जो पानी सोख सकते हैं। यह पक्षी जलाशय में पंखों को डुबोकर पानी भरता है। एक बार में लगभग 25 मिलीलीटर पानी भरकर और फिर घोंसले में जाकर चूजों को पंखों से पानी पिलाता है। इस बार ओलवी तालाब पर सैंडग्राउज की असाधारण संख्या दर्ज की गई है। जो पक्षी पहले कभी-कभार दिखते थे, अब झुंड के झुंड में नजर आ रहे हैं। यह जल संरक्षण और जैव विविधता के बीच का जीवंत रिश्ता दर्शाता है। राज्य सरकार द्वारा जल जीवन मिशन, अमृत सरोवर योजना और जलाशयों के पुनर्जीवन की दिशा में उठाए गए कदमों के फलस्वरूप बिलाड़ा क्षेत्र के पारंपरिक जल स्त्रोत आज केवल पानी के भंडार नहीं, बल्कि जैविक विविधता के केंद्र बन गए हैं।

सरपंच अशोक बिश्नोई के अनुसार, कुछ संरक्षित क्षेत्र घोषित किए जाने तथा प्रशासन और स्थानीय लोगों के समर्पण ने इन जलाशयों को एक नई पहचान दी है।

उपखंड अधिकारी बिलाड़ा मृदुला शेखावत ने बताया कि क्षेत्र के ये तालाब केवल पानी के स्त्रोत नहीं, बल्कि जीव-जगत के लिए जीवनदायिनी नदियों जैसे बन चुके हैं। यह उदाहरण है कि जब सरकारी नीतियां, स्थानीय प्रशासन और समुदाय साथ मिलकर काम करें, तो परंपरागत संसाधन कैसे नए जीवन का आधार बन सकते हैं। शेखावत ने कहा कि इन जलाशयों में गूंजते पक्षियों के कलरव के साथ राजस्थान सरकार की जलदृष्टि की गूंज भी सुनाई देती है जो भविष्य को हरा-भरा बनाने की ओर एक मजबूत कदम है।

'कैंसर से तो में बच गया, लेकिन ये प्राचार्य अशोक आर्य तो मेरी जान जरूर ले लेंगे''

जयपुर। (रुक्टा डेमोक्रेटिक) ने अलवर कला कॉलेज के कैंसर पीड़ित लाइब्रेरियन प्रहलाद राम बुनकर की सकुशल सेवानिवृत्ति में सहयोग के लिए सकारात्मक पहल की उम्मीद के साथ अलवर कला कॉलेज प्राचार्य, शिक्षक संघ के पदाधिकारी, प्रोफेसर एवं अशैक्षिणक कर्मचारियों को खुला पत्र लिखकर निवेदन किया है। पत्र की प्रतिलिपि उच्च शिक्षामंत्री एवं आयुक्त कॉलेज शिक्षा को प्रेषित की है।

कॉलेज शिक्षा राजस्थान संगठन के प्रदेश संयोजक एवं अलवर कला कॉलेज में लंबे अर्से तक सेवारत रहे प्रो. रमेश बैरवा ने पत्र में लिखा है कि प्रहलाद राम बुनकर लाइब्रेरियन की सेवानिवृत्ति इसी 31 जुलाई 2025 में होने को है। बुनकर वर्ष 2015 से कैंसर पीड़ित है। आज भी उपचाराधीन है। इनका स्वास्थ्य अक्सर खराब रहता है। कुछ ही दिन पूर्व फिर से कैंसर की जांच हुई है, जिससे बुनकर बहुत चिंतित है। लाइब्रेरियन अपनी व्यथा बता रहे हैं कि "कहीं ऐसा नहीं हो कि मेरी सेवानिवृत्ति सिर्फ कागजों में ही हो। जब मैं फिर से अस्पताल में रहूं या फिर इस दुनिया में ना रहूं।"

प्रहलाद राम बुनकर

- (रुक्टा डेमोक्रेटिक) ने अलवर कला कॉलेज प्राचार्य, शिक्षक संघ के पदाधिकारी, प्रोफेसर एवं अशैक्षिणक कर्मचारियों को पत्र लिखा
- अलवर कला कॉलेज के कैंसर पीड़ित लाइब्रेरियन प्रहलाद राम बुनकर की सकुशल सेवानिवृत्ति में सहयोग के लिए सकारात्मक पहल की उम्मीद

लाइब्रेरियन बुनकर को बहुत मेहनती, कर्मठ कार्मिक हैं। इनकी 35 वर्ष से अधिक की राजकीय सेवा में डॉ. अशोक आर्य के सिवाय किसी भी प्राचार्य से एक भी स्पष्टीकरण नहीं मिला है। कला कॉलेज अलवर की पुस्तकालय के संचालन के लिए जरूरी 10 बुक लिफ्टर में से इनके पास एक भी नहीं है। एक कैंसर पीड़ित लाइब्रेरियन करीब एक लाख धूलभरी पुस्तकों की गर्मी में एल्युमिनियम एवं शीशे के केबिन में बैठकर अमानवीय हालातों में अपने कार्य का निष्पादन करते रहे हैं। इन कैंसर पीड़ित लाइब्रेरी को कूलर तक नहीं दिया गया जिससे इनका स्वास्थ्य बिगड़ता रहता है। अक्सर मानसिक दबाव में रहना पड़ता है। लाइब्रेरियन बुनकर बहुत ही ज्यादा ही परेशान और चिंतित है। यहां तक कह रहे हैं कि "कैंसर से तो मैं जैसे तैसे बच गया लेकिन प्राचार्य अशोक आर्य तो मेरी जान जरूर ले लेंगे।" दलित प्राचार्य द्वारा एक दलित अधीनस्थ कार्मिक लाइब्रेरियन जो कि कई वर्षों से कैंसर पीड़ित है, आज भी परेशान है, को सताना तो और भी चिंता और शर्म की बात है। लाइब्रेरियन की चिंता है कि यदि इनकी सेवानिवृत्ति अटका दी गई तो उनकी आर्थिक स्थिति और बदतर हो जाएगी। स्वास्थ्य और बिगड़ जाएगा। लाइब्रेरियन की चिंता है कि प्राचार्य अशोक आर्य दुर्भावनावश इनकी सेवानिवृत्ति अटकाने पर तुले हुए हैं जिसके लिए आए दिन इन्हें स्पष्टीकरण पर स्पष्टीकरण एवं मौखिक धमकी देते रहे हैं। प्रोफेसरों, लेखाधिकारी एवं स्टाफ के अन्य कर्मचारियों को दबाव में लेकर इनके विरुद्ध दस्तावेज तैयार करते हैं। इनके विरुद्ध मिथ्या आरोप लगवाते हैं। प्राचार्य अशोक आर्य तो लाइब्रेरियन को यह भी कहते हैं कि तू तो रमेश बैरवा का आदमी है। तू उच्च अधिकारियों को मेरी शिकायत करता है। प्रो. रमेश बैरवा ने लिखा है कि यह निवेदन पत्र इसलिए भी लिख रहा हूं कि क्योंकि आज भी इनकी मूल पहचान इस अलवर कला कॉलेज से ही है। इनका कहना है कि आप मुझे चाहे जितना सता लो, लेकिन इस बेचारे कैंसर मरीज, परेशान लाइब्रेरियन को और ज्यादा मत सताओ, इनकी सेवानिवृत्ति होने दो।